GFAR

भूल्या थका अन्न माते/परे वैश्विक घोषणा पत्र

भूल्या थका अन्न माते/परे वैश्विक घोषणा पत्र

अणी घोषणा पत्र मे अड़े भड़े रा पूर्वी अन् उत्तरी अफरिका में खेतीवाड़ी परे काम करवा वाला संस्थानां रा संघ, एशिया पैसिफिक ऐसोसियन ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च इन्सिट्यूट, कॉपस फॉर द फ्फ्यूचर, फोरम फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च इन अफरिका, ग्लोबल फोरम फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च अन् द एलायंस ऑफ बायोवरसिटी इन्टन्नेशनल अन् सीआईएटी रो घणो अन् अणूतो सहयोग रियो है।

8 July 2021

Funded by European Union

This document has been produced with the financial assistance of the European Union. The views expressed herein can in no way be taken to reflect the official opinion of the European Union.

पृष्ठ भूमि

घोषणा पत्र भूल्या थका अन्न अन्न/अनाज[1] परे वात करवा वाला अड़े-भड़े रा घणा देश दुनिया जस्यान की अफरिका, यूरोप, एशिया रा घणा संगठन रो गेहरो शोध अन् आपसी गहरी चर्चा अन् संवाद रो सार है (रोडमेप सारू अनुबन्ध 1 देखो)। अणाने जीएफएआर, सेन्टन् फॉर इनोवेशन माइने काश्तकारों ने सशक्त वणावा सारू आपणा सामूहिक प्रयोग रे वास्ते घणी सूविधा दीदी। खेती वाड़ी सम्बन्धी खोज करवा वाला समूह संगठन अन् दूजा सहयोगियां रो आपसी जुड़ाव खास तौर ऊं उणरो सहयोग अणूतो है। अणी प्रक्रिया मे घणा देश दुनिया रा वैज्ञानिकां री खोज, वणारे आकड़ा रो मूल्याकंन अन् विश्लेषण, वणारो प्रस्तुतीकरण अन् चरचा, आपसी विचार विमर्श अन् संवाद में तीनी घोषणा पत्रों री अलग-अलग बैठकां/कार्यशालाआं में भाग लिदो (प्रतिभागियों अन् संगठनों रे नाम री सूची सारू अनुबन्ध 2 अन् अनुबन्ध 3 देखो)। अणी सब परे आपसी सर्व सहमती रे आधार परे आपां यो केई सकां कि अणी कार्यशाला में काश्तकार, आमजन, वैज्ञानिक, मोट्यार, महिला अन् आपां कई नयी पुराणी देश अन् दुनिया जगत री मानी लगी संस्थावा अन् सरकारी बिरादरी रा घणा लोग शामिल हा। अणी तरे रो काम अन् पहल भुल्या लगा अन्न अनाज री वात सारू एक अणूतों काम है अन् अणी काम ने आगे ले जावा सारू प्रेरणा दे।

अणी घोषणा पत्र माइने जो लिख्यों लगो है वो सब एकदम बढ़िया, व्यवस्थित अन् अनेकानेक/नराई लोग-बागा री खोज अन् प्रयोगां रो अणूतों प्रस्ताव है जणीमें खोज, नवा प्रयोग अन् काम करवा रा तौर तरिका भेला है। अणी घोषणा पत्र री खास वात या है के यो आपाने अबार अन् आवा वाला वगत री जरूत रे सारू अणी अनाज री कतरो महत्व रेवेला यो वतायो गयो है। लारे री लारे या वात भी केई है के अणी सारू आपाने आपणा खेती वाड़ी रा तौर तरीका, शोध में नवाचार, प्रशिक्षण में बदलाव अन् सरकार ने विकास री नीतियां में ई बदलाव करनो पड़ेला। अणी घोषणा पत्र में छोटी जोत रा काश्तकार, अनाज उगावा वाला अन् भूल्या लगा अनाज ने अवेरवा वाला, अणी सबां लारे सरोकार राखवा वाळा मनखां ने खास/मुख्य जिम्मेदारी दीदी है।

अणी घोषणा पत्र में भोजन रो अधिकार अन् स्वास्थ्य रो अधिकार जो कि दुनिया री सबाऊं मोटी संस्था संयुक्त राष्ट्र री नीति मानवा अधिकार में निहित है। अन् यो आवा वाला वगत में मोटी मोटी कार्यशाला अन् नीतियां में सुधार सारू भी है।

[1] भूल्या थका अनाज ने देशी अनाज अन् देशी मनखां रे खावा वालो अनाज, गरीब लोगां रो अन्न अन् गंवार अनाज रो नाम दिदो है।

अबार रा वगत में अणी देशी अनाज रो महत्व

अबार तक खेती रा अफसरां, जाणकार, बाजार अन् नीतियां वणावा वाला सब जणा अणी ने देशी अन् जंगली अनाज रो नाम देईने अणीने कम हीज आक्यो है जदीकि अणीमें शरीर अन् वणीरा सही विकास सारू जो तत्व चावे वे सब वणीमें ज्यादा ऊं ज्यादा है। अणी सबां ने आपणे बाप-दादा हजारों साल ऊं उगाई रिया हा अन् अणीरो उपयोग तेल, सुखो चारो अन् जड़ी बुटी सारू करी रिया हा। अणीरी कणेई कदर ई नी किदी अन् न ही अणाने कोई खास महत्व दीदो। जबकि ये तो शरीर सारू घणा गणकारी हा अन् मोटी वात या के यो आमदनी रो एक मोटो साधन वण सकता हा। यो सब अनाज आपाणी परम्परा अन् रीति रिवाजा में गहराई ऊं उतरियों लगो है मनख हजारों साला ऊं अणी ने अवेरता आया है अन् अणीने वापरता आया है। कोई भी अनाज खाली अनाज हीज नी वे वणीमें वटारी धरती अन् वातावरण रो घणों असर व्हे क्यूं के हर अनाज हर जगे नी उपजे। अबार री वगत में जो या वातावरण में बदलाव आई गियो है, बिमारियां नवां-नवां रूप में आई री है और जो नवां प्रयोग बीजां में वेई रिया है वणीरो मोटो तोड़ यो अनाज है जणीने ज्यादा ऊं ज्यादा बढ़ावो देयने आपां बालकां, मोट्यारां, लुगायां अन् आदमियां ने 'शरीर ऊं हाजा ताजा राखी सका। अन् गांव रे मनखा री आमदनी ने ई बढ़ाई सका। सबाउ मोटी वात यो अनाज आपाणे धरती, वातावरण अन् आपणी सांस्कृतिक विरासत रे लारे पाछो जुड़वा रो मौको देवे है।

या वात आपणे जस्या हीज छोटी जोत वाला काश्तकार, खासतौर ऊं लुगायां अन् देशी मनखं एक मोटी बैठक में 28 मई 2021 में हजारों लोगां रे हामे केई ही।

"आपे सब जाणां हा के ये जो अनाज या फसलां है ये कतरी गुणकारी है ये आपरां परिवारां रो भोजन री पूर्ति, दवा रे रूप में अन् ये आमदनी रे रूप में ई मोटो साधन है। क्यूं के आपां अणीने आपरा अड़े भड़े रा छोटा मोटा बाजार में बेच सका। सबाऊं मोटी वात के या आपणां वातावरण अन् धरती में सही तरीकाऊं उपज री है अन् मौसम री मार आराम ऊं सहन करी सके है। आपां आपणा तैवार भले ही वे धर्म रा वो या आपाणे जाति बिरादरी रे रिति रिवाज रा वो हरेक में अणी अनाज रो जुड़ाव है। आपाणे घर परिवार समुदाय री माया बाया अणीने वंचावी है अन् अणाने खाण-पाण में हमेशा काम में लिदी है। म्हां यो भरोसो करा के यो अनाज म्हाने आगे बढ़ावा में मदद करेला।

म्हां सब अणी अनाज या खादयान ने वंचावा सारु अलग अलग तरीकाऊं प्रयोग कर रिया हा क्यूं के अणिमें म्हाणी पारम्परिक ज्ञान री समझ, विवेक हुश्यारी अन् बाप दादा रो ज्ञान छिप्यो लगो है। अणीऊं हीज काश्तकार बिरादरी अबार रा बदलता वातावरण अन् घणी दूजी तपतियां ऊं पार पाई सके है। क्यूं के वातावरण रो वगाड़ व्हैला तो सब दूजी चीजां परे ही वणीरों मोटो असर व्हैला।"

चुनौतियां

अबार री नवी तरे री खेती जणीने आपां आधुनिक खेती रे नाम ऊं जाणा यां आज रा पर्यावरण, वातावरण अन् विविधता सारु जिम्मेवार है। क्यूं कि अणीमें उपज तो घणी ज्यादा है पण गुणवत्ता री घणी कमी है अन् लारे रे लारे अणीमें रासायनिक खाद, जमीन बंजरता, मशीनां रो घणो/अधिकाधिक प्रयोग अन् पाणी घणो चावे तो यो वातावरण में बदलाव सारु जिम्मेवार है। जस्यान आपां समझ सका हा के अबार कैवे है के आबादी घणी व्हैगी है ज्यूं आपाने मक्की, आलू, चावल, गेहूं अन् नगदी फसल सारु कोका, कॉफी, पाम तेल अन् सोयाबीन ने उगावा हा। अणीने आपां हजारों बीघा में बोवा तो अणी सब एक तरे री फसला ऊं जैव विविधता खत्म व्हे अन् अणीमें घणों पाणी अन् दूजा खाद वगैरा देणा पड़े। अणीऊं आपणे वातावरण तो बदले हीज है लारे रो लारे आपणा ज्यों देशी अनाज आपां या आपणे बाप दादा उगावता व्हे सब धीरे धीरे किनारा पे आई गिया। अणी अनाज रे वास्ते गलत अन् बाजारू सोच अणी ने खतम करवा में घणो झेलो दीदो है। अणी अनाज अणीने पाछो आपणा अन् जन समाज ने खेती वाड़ी रे लारे जोड़णो। सरकार अन् बाजार री जो नीतियां वणी लगी है वणीमें

बदलाव अन् अबार आवा वाली पीढ़ी ने अणीरे लारे पाछो जुड़ाव करवावणों ताकि अधिकाधिक मनख अणारो उपभोग करी सके। छोटा छोटा बाजारां रे माध्यम ऊं देशी अनाज अन् खादय सामग्री ने अधिकाधिक प्रयोग अन् उपभोग सारू अणीरों उत्पादन, नया उत्पाद ने बढ़ावा देणो। ताकि ये सब रोजमर्रा रा जीवन में खावा–पीवा में काम आई सके।

अणी बाजारू ताकत, खेती रा जिम्मेदार वैज्ञानिक, अधिकारियां री अणदेखी ऊं यो देशी अनाज रे प्रति मनखां में गलत भावना पैदा व्हे गई के यो तो गरीब मनखां रो भोजन है म्हाणे जसा भण्या लगा लोग तो अणीने नीं खावे। अणी सारू अबे आपां सबां ने मलीने छोटा मोटा काश्तकारां ने अणी अनाज, ज्ञान अन् नवा प्रयोगां ने बढ़ावा देवा सारू अलग अलग तरीकाऊं काम करणो पड़ेगा। अणी सारू देशी अनाज री अलग अलग तरीकाऊं खावा रा न्यारा न्यारा उत्पाद, छोटा बाजार अन् ताजा बाजार में अणाने वेचवा सारू राखणा। आम जन रो किसानां रे लारे जुड़ाव ताकी दोयां ने एक दूसरा ऊं मदद मली सके। यो सब प्रयास आपां ने हीज करणो पड़ेगा सरकारी नीतियां अन् आधुनिक खेती तो अणाने आगे आवा हीज नी देणो चावे।

सामूहिक पहल री पुकार

अणी सारू सबां ने मलीने पूरी ताकत ऊं आधुनिक खेती रो विकास, नीति कायदा रो विरोध अन् देशी अनाज रा नवां नवा प्रयोग, खोज अन् ज्ञान ने अलग अलग गांव, 'शहर, देश अन् दुनियां री अलग अलग चौपाल अन् चौराहा पे चर्चा, नाटक अन् बैठकां रे रूप में लोगां ने जागरूक करणा।

- आपां सबां ने मलीने देशी अनाज ने गुणकारी अनाज, वातावरण रे अनुकुल, स्थानीय बीज ने समाज में पुरो हक अन् आधुनिक समाज में अणीरे प्रति लोगां री गलत होच रे प्रति सावचेत करना है। लोगां ने जमीन रो बंजर वेणो, उपजाऊं मिट्टी रो खराब व्हेणो, गुणकारी भोजन री कमी अन् वातावरण रे प्रति नुकसान, नवी नवी बिमारियां रे प्रति जो कि अबार री आधुनिक खेती ऊं वेई रियो है वणीरे प्रति सब मनखां अन् खुद किसानां ने जागरत करना।

➢ छोटा मोटा किसान अन् काश्तकार जो अणी देशी खेती ने करी रिया है व्हे खुद अणी रे प्रति सम्मान अन् आदर रे भाव ऊं आपणी खेती ने दूजां काश्तकार अन् समाज रे लोगा ने वतावे अन् बदलाव रे सारू आगेवान व्हे ताकि सामुहिक रूप ऊं ज्यादा ऊं ज्यादा समाज में अणीरो प्रचार प्रसार व्हेई सके।

➢ नीति वणावा वाला ऊं या मांग राखां हां कि या देशी खेती ने बढ़ावा सारू अणिमें झेलो देवे और अणी ने कमाई रा साधन अन् काश्तकार री आमदनी रो जरियों वणावा में मदद करे। क्यूंकि या वातावरण अन् जलवायु रे हिसाब ऊं पैदावार व्हे।

➢ अणी खेती ने बढ़ावो देवा सारू सरकारी नीतियां असी वणी के जणिऊं किसान अणीने छोटा मोटा धन्धा रे लारे जोड़ता थका आपणी गरीबी दूर करी सके। देशी खेती करवा वालां ने सरकार अलग अलग रूप में सहयोग करे ताकि वणारो आर्थिक स्तर उपरे उठी सके।

- अणी तरे री देशी खेती रे लारे म्हां समाज में महिला अन् पुरुष में समानता रे लारे लारे निर्णय लेवा री क्षमता, समाज में मौजुद गलत रितियां ने बदलाव री कोशिश भी करे है जो कि अबार समाज में अणी री घणी जरूरत है।

- अणी रे माध्यम ऊं म्हां यो प्रस्ताव राखां हां के ये जो भूल्यां लगा अन्न अणी रा गुण, प्रयोग खेती नवाचार अन् काश्तकार, समाज जो अणीऊं जुड़्या थका है वणा ने आम जन रे सामे या मुख्य धारा में लावा सारू कोशिश करणी।

या पहल किसानां समाज अन् अणी अनाजं ने खावा वालां आमजन अन् धरती रा वातावरण लारे सब जीव जनावरां सारू सबाऊं बढ़िया है।

तरत काम अन् कार्यवाही सारू

1. अबार अणी अनाज री महत्ता देखता लगा सबाऊं पेलो काम तो देशी अनाज री गुणवत्ता अणीरों सामाजिक व आपणी वैवार अन् तैवार रे लारे जुड़ाव खास वात या के यो वातावरण में रेवा वाला सब जीव जनावरां रे अनुकुल है अणी वात ने छोटी मोटी बैठकां, समाज व खण्ड स्तर पे, राज्य स्तर पे ताकी सब लोगां ने अणी वास्ते जागरूक कर सका अन् अणी खान पान रे वाते मनखां रे मन में जो गलत धारणा व्हेई गी है वणीने मेटी सकां। आम जन अणीणे आपणे जीवन में जोड़े अन् खुद दूजां लोगां रे मन री गलत वातां ने मेटवा में मदद करई सके।

2. अणी धरती परे नराई छोटा मोटा देशां में देशी अनाज रा प्रयोग अन् अणीरी उपयोगिता सारू लाखों काश्तकार अन् लोगबाग काम करी रिया है। वणी सब देशा री लोगां री अन् काश्तकारां री सूची, वणीरा नवाचार, आंकड़ा, उपज, गुणवत्ता रा आकड़ा भेला करीने वणीमें ज्यादा ऊं ज्यादा काश्तकारां री भागीदारी लारे अणी देशी अनाज ने प्राथमिकता देता लगा अणी ऊं जुड़्या लगा नया नया नियम कायदा आपणा–आपणा स्तर पे तय करे अन् एक दूजा ने भी अणी सारू आगे बढ़ावे।

3. जस्यान के नरी जगा काश्तकार तो जागरूक है पण वणाने अणीरों कम ज्ञान है तो एक काम तो ज्ञान अन् अनुभव ने काश्तकार एक दूजां रे लारे आपस में वतावे अन् असा छोटा छोटा मंच वणे जठे ये सब तकनीक अन् तौर तरीका वे वताई सके। जस्यान के एक उगमणी दशा में रेवा वाला लोग अन् दूजों उगमणी अन् आतमणी दशा में रेवा वाला लोग अणी तरे वणारे तौर तरीका अन् अनुभवा रो लाभ ज्यादा ऊं ज्यादा मनख लेई सके। अणी सारू नवी खोज, तौर तरीका, बीज बैंक, अन् आधुनिक तकनिक ने वापरता थका अणीरों बेहतर उपयोग व्हेई सके।

4. सब काश्तकारां अन् जागरूक आम जन ने मजबूत करवा सारू नवी नवी खोज अन् नवाचार रा सामलाती विकास ने बढ़ावो देवा सारू नवी तकनीक, संगठन अन् कौशल–हुनर री क्षमता ने बढ़ावा में मदद करनी ताकी वे आपस में संवाद

करी सके अन् एक जस्या विचार वाला साथी अणीने फलदायी रूप ऊं एक दूजा रे लारे बांटी सके।

आवा वाला वगत रो काम, मध्यम अन् दीर्घकालिक काम

5. खेती एक या दो दन री नीं व्हे अणीमें कई मईना अन् साल लागे अणी सारू देशी अनाज री अनेकानेक किस्मा, वणीरां बीज अवेरना, वणीरी खेती, खेती रा तौर तरीका, वणीरा उत्पाद, वणीरी पैंकिंग अन् वणाने बाजार में वेचवा रा तरिका अणी सारू किसान अन् वणीरे लारे जुड्या लगा लोगां, संगठन ने मदद करनी। ज्यो छोटा–छोटा किसान अन् संगठन अणीरे लारे जुडया लगा है वणाने समय समय पर आवश्यकतानुसार सहयोग करनो या झेलो देणो ताकि वे लम्बा समय तक जुड़ने अणीरां तौर तरिकां रो मूल मरम समझ सके अन् यो ज्ञान दूजा मनखां रे लारे वाटी सके।

6. किसान जो यो देशी अनाज अन् खाद्य उगाई रियो है वणीरी गांव, शहर, राज्य, देश दुनिया में वेचवा सारू जो भी अबार रा तौर तरिका है वणीरां उपयोग करता थकां अलग–अलग समाधान ढूंढ़णा। उचित दाम, ताजा, साफ–सफाई, अणी रा नवा नवा उत्पाद, वगत पे अणी अनाज री उपलब्धता अणी में अधिकाधिक अणीने उगावा वाला अन् अणी कड़ी में जो गांव कस्बा रा लोग खास तौर ऊं महिला अन् मोट्यार जुड्या लगा है वणारी आर्थिक स्थिति/दशा में सुधार व्हे।

7. जो काश्तकार देशी खेती लारे जुड्या लगा है वणाने मदद करता थकां अन् दूजां लोगां ने भी अणी खेती में सुधार नवा प्रयोग अणी री नवी नवी देशी किस्मा ने बढ़ावो देणो, किसाना लारे देशी बीज बैंक सारू खास सावचेती, संग्रहण रा न्यारा न्यारा तौर तरिका अन् समय पे देशी बीज री उपलब्धता रे लारे रो स्थानीय, राज्य, देश दुनिया में अणी देशी अनाज ने फैलावा री कोशिश करनी। असो तंत्र वणावणों के किसान ने सही वगत यानि फसल री बोवणी रे वगत वणी ने बीज मली सके अन् वो भी सही कीमत परे मले ताकि ज्यादा ऊं ज्यादा काश्तकार अणीरों फायदों लेई सके।

8. देश दुनिया रा अलग अलग मंच परे देशी अन्न या भूल्या थका अनाज रे सारू वकालत अन् कणी ठोस आधार री नीति लारे वात राखणी ताकि अणिऊं छोटा जोत वाला काश्तकार अन् अणी खादयां रो छोटो–मोटो धन्धा करवा वाला लोगां ने फायदो व्हे सके। अणीमें असा नियम कायदा शामिल करना जो की गणकारी अनाज अन् भोजन ने वदावा रो काम करती व्हे। मौसम रे अनुसार फसलां ने पैदा करवा री नीति अन् वातावरण रे हिसाब ऊं खेती रो विकास जणीमें दूजां लोग भाग री सहयोग दे सके। असी नीतियाँ ने बढ़ावो देणो जणीऊं के स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ियां में देशी अनाज ने खाद्य रे रूप में शामिल करे।

नीतिया में बदलाव व्हे असी नीतियां वणे जणीऊं की देशी खेती करवा वाला काश्तकार रो अधिकार वणारे बाप दादा रो पारम्परिक ज्ञान ने वापरता थकां वे आपणे देशी खेती अन् अणी उत्पाद रो सरंक्षण करता थकां अणीऊं अधिकाधिक आर्थिक लाभ धंधा रे हिसाब ऊं लेई सके।

9. देशी अनाज री गुणवत्ता, प्रचार प्रसार, समर्थन अन् जागरूकता सारू प्राथमिक स्तर ऊं लगाईने कॉलेजां तक किताबां अन् पाठ्यक्रम में नवा नवा शिक्षा रा कार्यक्रम जोड़ना ताकि ये सब भी अणी लारे अलग अलग रूप में जुड़ी सके।

10. देशी अनाज रे विकास सारू स्थानीय स्तर ऊं लगाईने देश दनिया रे स्तर पे संसाधना रो विकास करणो जस्यान के बीज बैंक अन् नवाचार सारू आर्थिक स्त्रोत, भवन, नवी नवी तकनीकां रो विकास जणीऊं के देशी खाद्य भोजन ने एक पहचान मली सके अन् आर्थिक रूप ऊं सम्पन्न देश आगे आईने देशी अनाज ने वदावां सारू आपणो धन अणीमें लगाईने अणीरां नवा नवा 'शोध अन् नवाचार में एक मोटो अवसर वणाई सके।

आगे रो गेलो या रास्तो

यो घोषणा पत्र नवम्बर 2020 में चालु व्हियों भूल्या थका अनाज री सोच ऊं पैदा व्हिया विचार रो नतीजों है जो अबार तक खतम नीं व्हियो है बल्कि आगे बढ़ी हीज रियो है। अणी घोषणा पत्र रा उपयोग ऊं आवश्यक संसाधन भेला करना अन् आगे री बैठकां अन् प्रयोग री दिशा तय करवा में एक मोटो आधार है। ये आगे रा गेला है।

- अणी वैश्विक घोषणा पत्र में शामिल संस्था जस्यान जीएफएआर अन् सीएफएफ रा सहयोग ऊं एलायंस ऑफ बायोवरसिटी अन् सीआईएटी रा साथी (आरीनेना, अपारी, फारा) अणीऊं जुड्या लगा संघा रो एक मोटो संगठन वणावणो। अणीने वणावां री तारीख जुलाई 2021 तै किदी ही।
- अणी संगठन री पेली बैठक री तारीख सितम्बर 2021 तै किदी की अणीमें खास वात या व्हैला के स्थानीय स्तर अन् देश दुनिया रा स्तर पे व्हैवा वाला काम रो एक्सन प्लान वणावणो अन् अणीमें खरच व्हैवा वाला रूपया री व्यवस्था रा साधन भालना।
- अणी काम में आर्थिक रूप ऊं मदद देवा वाला अन् रूचि राखवा वाला मनखां रे लारे बैठक अक्टूबर के नवम्बर 2021 तक राखणी वणीमें अणी घोषणा पत्र में प्रस्तुत करणो।
- अणी सब बैठकां री सब रूपरेखा वणावता लगा आगे री दशा दिशा तै करता थका अणी ने सब सदस्या लारे संवाद करीने एएफओ विज्ञान दिवस में रख सका जो कि यूएकएफएसएस में वातचित रो खास आधार वणी सके।

सहमती या स्वीकृतियां

आपे सब अणी घोषणा पत्र ऊं अलग अलग स्तर जुड्या लगा सदस्य, आपणी सहमती या एकराय वणाइने आरीनेना, अपारी, फारा रा अणुता योगदान रे प्रति आभार प्रकट करा हां। अणीमें म्हाने जीएफएआर रे माध्यम ऊं जो 'इसी डेसीरा' स्कीम में सहयोग मल्यो जणीऊं अलग अलग बैठका अन् काम व्हेई सक्या। अणी ने भी नीं भूली सकां हां।

अनुबन्ध 1 वैश्विक घोषणा पत्र रे विकास रो रोडमेप

जीरो ड्राफ्ट मेनिफेस्टो (नवम्बर 2020)

↓

गठबंधन रो गठन आरीनेना, अपारी, अन् अन्य भागीदार, भविष्य री फसलां, जीएफएआर, फारा, एलायंस ऑफ बायोवरसिटी इंटन्नेशनल अन् सीआईएटी

↓

आगला चरण रो रोड़मेप (दीर्घकालिक) (जनवरी 2021)

↓

स्थानीय 'शोध/सर्वे, संवाद, चर्चा अन् परामर्श/सुझाव (फरवरी–अप्रेल 2021)

↓

स्थानीय स्तर रां मसौदा या घोषणा पत्र (मार्च–अप्रेल 2021)

↓

स्थानीय स्तर पे मसौदा या घोषणा पत्र पे बैठक अन् चर्चा (मार्च–मई 2021)

↓

अंतिम स्थानीय मसौदा या घोषणा पत्र अन् किसान घोषणा पत्र (दक्षिणी एशिया) (जून 2021)

↓

वैश्विक घोषणा पत्र रो ड्राफ्ट (जून 2021)

↓

वैश्विक घोषणा पत्र रा ड्राफ्ट पे चर्चा, सवांद, सुधार (जून 2021)

↓

अंतिम वैश्विक घोषणा पत्र (जून 2021)

AARINENA (आरीनेना)

भूले हुए अनाज या खाद्य पदार्थों परे जीएफएआर जो ड्राफ्ट तैयार किदो वणी परे चर्चा, विचार–विमर्श, संवाद, स्थानीय बेस लाईन सर्वे अन् अणी में जो सुधार हो वो करीने अलग–अलग लोगां लारे वेबीनार चर्चा करीने स्थानीय स्तर परे पूर्णतया सहमती प्रदान किदी।

चर्चा अन् ड्राफ्ट में पूर्ण रूपेण शामिल प्रतिभागी:

दिसम्बर 2020 ऊं जनवरी 2021 में बेस लाईन ड्राफ्ट ने तैयार करवा में आरीनेना की कार्यसमिति रा 12 लोग अणमें स्थानीय अन् देश दुनिया नेना संघ रा 3 लोग शामिल हां।

फरवरी– मार्च 2021 में भूल्या थका अनाज रा अवधारणा नोट रे विकास रो रोडमेप तैयार किदो जणीमें आगे कई काम अन् विस्तर व्हैगा अणी रो ई एक्सन प्लान वणायो गियो।

22 मार्च 2021स्थानीय आनलाईन बैठक 33 प्रतिभागी।

30 मार्च 2021 अणी बैठक में घोषणा पत्र रो मसौदो परे परामर्श में 24 प्रतिभागी प्लांट जेनेटिक रिसोर्स नेटवर्क अन् 6 प्रतिभागी नवगठीत समिति रा अणीमें मौजूद हां।

कुल मलाईने 63 प्रतिभागी अणीमें भाग लिदो।

अप्रत्यक्ष रूप ऊं बैठका में शामिल प्रतिभागी :

27 प्रतिभागी राष्ट्रीय किसान संगठनां रा प्रतिनिधी।

27 प्रतिभागी राष्ट्रीय 'शोध संस्थान रा प्रतिनिधी अन् अरिनेना रा 5 सदस्य प्रतिनिधी प्रतिभागी रे रूप में मौजुद हा।

100 ऊं ज्यादा प्रतिभागी निजी अन् सरकारी विश्व विद्यालय रा लोग मौजुद हा।

अपारी अन् वणीरा सहयोगी

एलायंस ऑफ बायोवरसिटी इंटर्नेशनल अन् सीआईएटी रा सहयोग अन् इनके सहयोगी साथी (AFA, ICRISAT, MSSRF ...) रा झेला ऊं भूल्या लगा अनाज रो घोषणा पत्र मे वदेपो किदो अन् वणी ने मूर्त रूप दीदो।

12 वगत ऑनलाईन या कम्प्यूटर पे सर्वे रा तौर तरिका परे बैठक किदी अन् अणी हेतु एक बैठक खास सहयोगी रे लारे व्ही जणीमें परामर्श अन् सुधार पे चर्चा किदी।

सर्वे प्रश्न पत्र तैयार किदो जणीमें किसानों रे हिसाब ऊं प्रश्न राख्या जो कि वणारे स्थानीय रूप में पूर्ण जानकारी लेवा में उपयोगी व्हे सके।

अणी सर्वे प्रश्न पत्र पे राय लेवा सारू अलग अलग संगठन री सूची तैयार किदी अन् वणारे लारे बैठकां करीने वणारी राय जाणी।

वेबीनार रे माध्यम ऊं अपारी रा सब सदस्यां अन् सहयोगियां री मौजदगी अन् वणी परे चर्चा।

सब भागीदारां लारे सर्वे प्रश्न रो विश्लेषण किदो।

पछे विशेषज्ञ या जानकार लोगां री पहचान अन् आगे रा वेबीनार सारू कार्यक्रम तय किदा।

ऑनलाईन वेबीनार री बैठकां किदी जणीमें 500 पंजीकृत प्रतिभागी अन् 247 अणीऊं जुड्या लगा प्रतिभागी शामिल व्हिया।

अणी सब बैठका अन् सर्वे में आवा वाली राय अन् सुझावों ने लिखीने वणीरो एक मसौदो तैयार किदो।

स्थानीय मसौदा तैयार करती वगत सब सदस्यां अन् देश दुनिया रे सहयोगी री राय ने ई अणीमें जोड्यो गियो।

पारम्परिक अन् देशी अनाज अन् खाद्य पे एशिया–पेसेफिक रा काश्त कारां रो घोषणा पत्र बणायो।

FARA

अफरिकी घोषणा पत्र अन् वणीरी कार्य योजना विकसित करवा सारू एक पांच आयामी तकनिक रो उपयोग किदो।

अफरिका में भूल्या थका अन्न/अनाज री दशा जाणवा सारू एक डेस्क चर्चा कीदी। अणीने अफरिका में लोगां ने जागरूक करवा सारू यो एक गेलो हो अणीमें फारा रा खास वैज्ञानिक अन् सलाहकार री मदद ऊं अणीने निरन्तर चलावा में मदद मले।

अफरिकी घोषणा पत्र तैयार करवा में 10 दन तक चर्चा लगभग 35000 लोग जो अणीऊं सरोकार राखे। वणाने सारा डी ग्रुप रा मंच रो उपयोग करता थका अफरिका रा हितधारकां लारे साझा किदो। अन् वणारी राय ने अफरिकी घोषणा पत्र में शामिल कि दी ।

अफरिकी घोषणा पत्र रो विकास अन् भूल्या लगा अन्न परे कार्य योजना परे वेबीनार व्हियो जणीमें लगभग 1000 प्रतिभागी 'शामिल व्हिया जणीमें किसान, वैज्ञानिक, ज्ञानी लोग, शोधार्थी, लुगायां अन् मोट्यार हा। अणा सबा री राय जाणवा सारू पोल नाम री विधी ऊं वणारी राय जाणी।

घोषणा पत्र में सामंजस्य– हरेक बैठक अन् वेबीनार में आवा वाली लोगां री राय अन् सुझाव ने घोषणा पत्र में जोड़वा सारू फारा रा विशेष जानकार सब मलीने छोटा छोटा समूह में सलाहकार लारे काम किदो। अन् घोषणा पत्र ने पूर्ण रूपेण तैयार किदो।

सामुदायिक अभ्यास –FARA घोषणा पत्र ने आधार मानता थका धरातल परे लोगां लारे काम करवा रो तौर तरिकों तैयार किदो अन् आवश्यक सुविधा दीदी। यो सब दो चरण में व्हियो एक विशेष जानकार लोगां रो खास समूह अन् दूजों अणीमें सोच विचार अन् हामी भरवा वाला आमजन हा।

अनुबन्ध 3 वैश्विक घोषणा पत्र रे विकास में सहयोगी संगठन

अणी वैश्विक घोषणा पत्र ने तैयार करवा में देश दनिया रा नामी संगठन भाग लीदो जे कई वरषों ऊं काश्तकारा, महिला अन् खेती–अनाज परे काम करी रिया है आपणे देश रा घणा सारा संगठन अणीमें भाग लीदो। एक बरली विकास संस्थान जो कि महिलां रे लारे काम करे वणा अणीमें सहयोग दीदो। अणी तरेऊं अड़े–भड़े रा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, ताईवान, वियतनाम, श्रीलंका, पाकिस्तान, फिजी, तजाकिस्तान, अफगानिस्तान, इटली, फिलिपिन्स, थाईलैण्ड अन् अफरिका रा तमाम देश, देश दुनियां रा नामी विश्वविध्यालय, कम्पनियां अन् स्वयंसेवी संस्थान जे केई सालों ऊं ग्रामीण विकास परे काम करे री है। अणी में लगभग 170 संगठन भाग लीदो ये सब दुनिया रा ज्यादातर देशा में काम करी रिया है।

अणीमें जीडीपीआर रे हिसाब ऊं 2016 में व्ही लागी 3 वेबिनार परे बैठक व्ही वणीमें वैश्विक घोषणा पत्र रा मसौदा परे चर्चा व्ही। वणीमें एक हजार ऊं जादा लोग अणीमें भाग लीदो। वणा सबां री सूची अन् नाम अणीमें नीं हैं।

Barli Development Institute for Rural Women (BDIRW), India

International Crop Research Institute of Semi-Arid Tropics (ICRISAT), Hyderabad, India

The constituencies involved in the survey coordinated by ICRISAT (in alphabetical order):

1. Erstwhile Adilabad district (tribal), Telangana state; India
2. Kurnool district (rural); Andhra Pradesh state, India

Members and partners of the Asian Farmers' Association (AFA) (in alphabetical order)

ActionAid, Bangladesh

Aliansi Petani Indonesia (API), Indonesia

Asosiasaun Nasional Produtor Fini Komersia (ANAPROFIKO), Timor-Leste

Central Tea Cooperative Federation (CTCF) Ltd., Nepal

Crofter Foundation, Pakistan

Ecological Agricultural Producers' and Entrepreneurs Cooperative Society (EcoAPECoop), Sri Lanka

Kendrio Krishok Moitree (KKM), Bangladesh

Lankan Farmers Forum, Sri Lanka

Lao Farmer Network (LFN), Lao PDR

National Association of Dehkan Farms (NADF), Tajikistan

National Association of Mongolian Agricultural Cooperatives (NAMAC), Mongolia

National Land Rights Forum (NLRF), Nepal

National Union of Waters Users' Association of Kyrgyz Republic (NUWUA), Kyrgyzstan

Pacific Island Farmers Organisation Network, Fiji and Samoa

Pambansang Kilusan ng mga Samahang Magsasaka (PAKISAMA) Inc., Philippines

Self-employed Women's Association (SEWA), India

Taiwan Wax Apple Development Association (TWADA), Taiwan

Tarayana Foundation, Bhutan

Vietnam Farmers' Union (VNFU), Vietnam

Members of the Asia-Pacific Association of Agricultural Research Institutions (AAPARI) (in alphabetical order)

Agricultural Biotechnology Research Center (ABRC), Academia Sinica, Taiwan

Agricultural Research and Development Institute (MARDI), Malaysia

Agricultural Research, Education and Extension Organization (AREEO), Iran

Agriculture Research Institute of Afghanistan (ARIA), Afghanistan

Alliance for Agri Innovation (AAI) and Federation of Seed Industry of India (FSII),

IndiaAlliance of Bioversity International and CIAT, Italy
Assam Agricultural University (AAU), India
Australian Centre for International Agricultural Research (ACIAR), Australia
Bangladesh Agricultural Research Council (BARC), Bangladesh
Biotechnology Industry Research Assistance Council (BIRAC), India

Bureau of Agricultural Research (BAR), Philippines
Central Agricultural University (CAU), India
Centre for Agriculture and Biosciences International (CABI), United Kingdom
Council of Agriculture (COA), Taiwan
Department of Agriculture (DOA), Bhutan
Department of Agriculture (DOA), Thailand
Indian Agricultural Universities Association (IAUA), India
Indian Council of Agricultural Research (ICAR), India
Institut Agronomique Néo-Calédonien (IAC), New Caledonia
International Association for Agricultural Sustainability (IAAS), Singapore
International Centre for Agricultural Research in the Dry Areas (ICARDA), Lebanon
International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Nepal
International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (ICRISAT), India
International Food Policy Research Institute (IFPRI), USA
International Livestock Research Institute (ILRI), Kenya
International Maize and Wheat Improvement Center (CIMMYT), Mexico
International Rice Research Institute (IRRI), Philippines
Japan International Research Centre for Agricultural Sciences (JIRCAS), Japan
Krishi Gobeshona Foundation (KGF), Bangladesh
Ministry of Agriculture (MoA), Fiji
Ministry of Agriculture and Fisheries (MAF), Samoa
National Agriculture and Forestry Research Institute (NAFRI), Laos
National Agricultural Research Institute (NARI), Papua New Guinea
Nepal Agricultural Research Council (NARC), Nepal
Pakistan Agricultural Research Council (PARC), Pakistan
Philippine Council for Agriculture, Aquatic and Natural Resources Research and Development (PCAARRD), Philippines
PNG University of Technology, Papua New Guinea
Prof. Jayashankar Telangana State Agricultural University (PJTSAU), India
Rural Development Administration (RDA), Republic of Korea
SAARC Agriculture Centre (SAC), Bangladesh
Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences (SHUATS), India
Sri Lanka Council for Agricultural Research Policy (SLCARP), Sri Lanka
Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), India
University of Agricultural Sciences (UAS), Dharwad, India
Vietnam Academy of Agricultural Sciences (VAAS), Ministry of Agriculture and Rural Development (MARD), Vietnam
World Agroforestry Centre (ICRAF), Kenya
World Vegetable Center, Taiwan

Members of the Association of Agricultural Research Institutions in the Near East and North Africa (AARINENA) (in alphabetical order)

Abu Dhabi Agriculture and Food Safety Authority (ADAFSA), United Arab Emirates
Agricultural Research and Extension Authority (AREA), Yemen
Agricultural Research Corporation (ARC), Sudan
Agricultural Research Department, Ministry of Environment, Qatar
Animal and Plant Genetic Resources Center, the Research Council, Sultanate of Oman
Agricultural Research Centre (ARC), Libya
Arab Center for Studies of Arid Zones and Dry Lands (ACSAD), Syrian Arabic Republic
Garcia Farms Hydroponics, United Arab Emirates
Iktifaa youth organization (NGO), Sudan
Institut National de la Recherche Agronomique (INRA), Morocco
Institut National de la Recherche Agronomique d'Algérie (INRA), Algeria
Institut National de la Recherche Agronomique de Tunisie (INRAT), Tunesia
Institution de la Recherche et de l'Enseignement Supérieur Agricoles (IRESA), Tunisia
International Centre for Agricultural Research in the Dry Areas (ICARDA), Lebanon
International Center of Biosaline Agriculture (ICBA), United Arab Emirates
Jordan University of Science and Technology (JUST), Jordan
King Abdulaziz City for Science and Technology (KSA-KACST), Kingdom of Saudi Arabia
Kuwait Institute of Scientific Research (KISR), Kuwait
Lebanese Agricultural Research Institute, Lebanon
Ministry of Agriculture (MoA), Iraq
Ministry of Agriculture and Fisheries (MoAF), Sultanate of Oman
Ministry of Agriculture-National Agricultural Research Center (MOA-NARC), Palestine
Ministry of Climate Change and Environment, United Arab Emirates
Ministry of Food, Agriculture and Livestock, Turkey
National Research Council, Egypt
National Agricultural Research Center (NARC), Jordan
National Center of Agricultural Technology, Life Science and Environmental Research Institute, Kingdom of Saudi Arabia
Nizwa University, Sultanate of Oman
Silal Company, United Arab Emirates
Zamzam University of Science and Technology, Somalia

Members of the Forum for Agricultural Research in Africa (FARA) (in alphabetical order)

Africa Union Commission, Addis Ethiopia
Africa Union Development Agency (AUDA-NEPAD), South Africa
African Forum for Agricultural Advisory Services (AFAAS), Kampala, Uganda
Agricultural Research and Extension Unit (AREU), Mauritius
Agricultural Research Corporation (ARC), Sudan
Agricultural Research Council of Nigeria (ARCN), Nigeria
Agricultural Research Division (ARD), Swaziland
Agriculture Research Council, South Africa

Alliance for Green Revolution in Africa (AGRA), Kenya
Association for strengthening agricultural research in Eastern and Central Africa (ASARECA), Uganda
Central Agriculture Research Institute (CARI), Liberia
Centre for Coordination of Agricultural Research and Development for Southern Africa (CCARDESA), Botswana.
Centre National de Recherche Agronomique (CNRA), Côte d'Ivoire
Centre National de Recherche Agronomique et de Développement (CNRADA), Mauritania
Centre National De Recherche Appliquée au Développement Rural, Madagascar
Centre National de Technologie Alimentaire (CNTA), Burundi
Centre pour l'expérimentation et la vulgarisation pour la gestion des Tanety par les paysans (FAFIALA), Madagascar
Centro de Investigação Agronómica e Tecnológica (CIAT), Sao Tome and Principe
Council for Scientific and Industrial Research (C.S.I.R), Ghana
Department of Agricultural Research Services (DARS), Malawi
Department of Agricultural Research, Lesotho
Department of Agricultural Research, Botswana
Eastern Africa Farmers Federation (EAFF), Uganda
Ethiopian Institute of Agricultural Research, Ethiopia
General National Agricultural Research Institute (NARI), The Gambia
Institut d'Economie Rurale (IER), Mali
Institut de l'Environnement et de Recherches Agricoles (INERA), Burkina Faso
Institut de Recherche Agronomique de Guinée (IRAG), Guinée
Institut de Recherche Agricole pour le Développement (IRAD), Cameroun
Institut de Recherches Agronomiques du Niger (INRAN), Niger
Institut de Recherches Agronomiques et Forestières (IRAF), Gabon
Institut des Sciences Agronomiques du Burundi (ISABU), Burundi
Institut National de Recherche Agricole du Bénin (INRAB), Benin
Institut National De Recherche Agronomique (IRA), Brazzaville, Congo
Institut National pour l'etude et la Recherche Agronomiques (INERA), Congo
Institut Sénégalais de Recherches Agricoles (ISRA) Route des Hydrocarbures, Sénégal
Institut Tchadien de Recherche Agricole pour le Développement (ITRAD), Chad
Institut Togolais de Recherche Agronomique (ITRA), Togo
Instituto de Investigação Agrária de Moçambique, Mozambique
Instituto de Investigacao Agronomica (IIA), Angola
Instituto Nacional de Pesquisa de Agraria (INPA), Guinée Bissau
Investigacäo e Desenvolvimento Agrärio (INIDA), Cape Verde
Kenya Agricultural and Livestock Research Organization (KALRO), Kenya
l'Institut Centrafricain de la Recherche Agronomique (ICRA), République Centre Africaine
Ministry of Agriculture and Forestry, South Sudan
Naliendele Agricultural Research Institute (NARI), Tanzania
National Agricultural Research Institute (NARI), Eritrea
National Agriculture Research Organisation (NARO), Uganda
National Botanic Research Institute, Namibia

Pan Africa Farmers Organizations (PAFO), Rwanda
Pan African Agribusiness and Agro Industry Consortium (PANAC), Kenya
Regional Universities Forum for Capacity Building in Agriculture (RUFORUM), Uganda
Research Services Division (Rsd), Harare, Zimbabwe
Réseau des organizations paysannes et de producteurs de l'Afrique de l'Ouest (ROPA), Burkina Faso
Rwanda Agriculture Board (RAB), Rwanda
Seychelles Agricultural Agency, Seychelles
Sierra Leone Agricultural Research Institute (SLARI), Sierra Leone
Southern African Confederation of Agricultural Unions (SACAU), South Africa
The Zambia Agriculture Research Institute (ZARI), Zambia
West and Central African Council for Agricultural Research and Development (CORAF), Senegal

M.S. Swaminathan Research Foundation (MSSRF), Chennai, India

Constituencies involved in the survey coordinated by the M.S. Swaminathan Research Foundation (in alphabetical order)

1. Bharati Integrated Rural Development Society (BIRDS), Kurnool, Andhra Pradesh
2. Centre for Indigenous Knowledge Systems, Chennai, Tamil Nadu
3. Himalayan Environmental Studies and Conservation Organisation (HESCO), Dehradun, Uttarakhand.
4. Martin Luther Christian University, Shillong, Meghalaya
5. North East Slowfood and Agro biodiversity Society (NESFAS), Shillong, Meghalaya
6. Sanlak Agro Industries Private Limited, Coimbatore, Tamil Nadu
7. Shahaja Samrudha, Bengaluru, Karnataka
8. Sevamandir, Udaipur, Rajasthan
9. Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), Coimbatore, Tamil Nadu
10. Watershed Support Services and Activities Network, Hyderabad, Telangana

Note: In the three regional webinars during which the draft regional manifestos were presented and discussed, over one thousand persons participated. Pursuant to the General Data Protection Regulation (GDPR), agreed upon by the European Parliament and Council in April 2016, their names are not listed here.

Photos credit: ©FAO / FAO

GFAR